



TRIVENI TURBINE LIMITED

CORPORATE OFFICE

8th Floor, Express Trade Towers, 15-16, Sector-16A, Noida - 201301, U.P., India

T.: +91 120 4308000 | F : +91 120 4311010-11

www.triveniturbines.com

By E-filing

REF: TTL: SE: 05/06

Date: May 12, 2025

BSE Limited P.J. Tower, Dalal Street, Fort, Mumbai - 400 001 Thru: BSE Listing Centre	National Stock Exchange of India Limited Exchange Plaza, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai - 400 051 Thru: NEAPS
STOCK CODE: 533655	STOCK CODE: TRITURBINE

Dear Sir/Ma'am,

Subject: Intimation under Regulation 30 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("SEBI Listing Regulations") - Newspaper advertisement of the published financial results.

Pursuant to Regulation 30 read with Schedule III and Regulation 47 of SEBI Listing Regulations, we have enclosed herewith copies of the newspaper advertisements published on May 12, 2025, providing extract of audited Financial Results of the Company for the 4th quarter and Financial Year ended March 31, 2025.

The advertisements are published in:

- i) Business Standard (English) and (Hindi); and
- ii) Business Line (English)

You are requested to take this information on record.

Thanking you,

Yours' faithfully

For Triveni Turbine Limited

Pulkit Bhasin

Company Secretary

M. No. A27686

Encl: A/a

Regd Office : A-44, Hosiery Complex, Phase-II Extn., Noida - 201 305 (U.P.)

CIN : L29110UP1995PLC041834

संघर्ष विराम के बाद बदलते हालात पर नजर

सुरक्षा पर कंपनियों का सतर्क रुख

तमाम बड़ी कंपनियां भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के मद्देनजर लागू किए गए सुरक्षा और संचालन संबंधी दिशानिर्देशों को खत्म करने पर जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहतीं

बीएस संचालन

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार की शाम को संघर्ष विराम की घोषणा से मिली कुछ राहत थोड़ी ही देर बाद उसके उल्लंघन की खबरों के साथ जाती रही। इसका सीधा असर उद्योग जगत पर देखने को मिला। कंपनियों को अपने कर्मचारियों के लिए जो नए सिरे से परामर्श जारी करना था, हालात को भांपते हुए उसे टाल दिया।

पिछले कुछ दिनों में दोनों देशों के बीच बड़े तनाव के मद्देनजर कंपनियों ने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में शिफ्ट में बदलाव से लेकर यात्रा परामर्श तक जारी करने और आपदा प्रबंधन टीमों के गठन तक तमाम कदम उठाए। संघर्ष थमने के बाद कंपनियों इन व्यवस्थाओं को समाप्त करने की दिशा में बढ़ने लगी थीं लेकिन जैसे-जैसे घटनाक्रम तेजी से बदला, उसे देखते हुए वे जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाना चाहतीं।

मैनकाइंड फार्मा के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजीव जुनेजा ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि शनिवार तक कर्मचारियों को जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और गुजरात जैसे सीमावर्ती राज्यों में घर पर ही रहने के लिए कहा गया है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने के उपायों और युद्धविराम का उल्लेख करते हुए कहा, 'चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं और आगे क्या हालात बनेंगे, यह देखने के लिए हमारे पास रविवार तक का समय है।' जुनेजा ने आगे कहा, 'कंपनी स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी किए गए किसी भी परामर्श का पालन करेगी।'

फार्मा क्षेत्र की अन्य कंपनियों ने कहा कि वे बदलते घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। खासकर फ्रीड में काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में खास ध्यान दिया जा रहा है। गुजरात की एक कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'सीमावर्ती क्षेत्रों में डॉक्टर शाम 6 बजे तक अपने क्लीनिक बंद कर रहे हैं। इसलिए, मेडिकल प्रिजेंटेंटिव (एमआर) उसके बाद उनसे मिलने नहीं जा सकता है।'



अमृतसर के पास भारत-पाकिस्तान सीमा चौकी के पास पहरा देता सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का जवान।

हालांकि, कंपनियां अभी 'देखो और इंतजार करो' वाली रणनीति पर चल रही हैं। वे संकट की स्थिति से निपटने के लिए जारी किए गए परामर्श को वापस लेने से पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहती हैं। शील एचआर सर्विसेज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी आदित्य नारायण मिश्रा कहते हैं कि युद्धविराम से स्थिति तो शांत हो गई है लेकिन अभी अनिश्चितता और अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। 'हालात सामान्य होने और कामकाज के पट्टी पर लौटने में अभी कुछ दिन लगेगे।' पाकिस्तान की सीमा से लगते कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में कंपनियों का काम अधिक प्रभावित हुआ, क्योंकि यहां सरकारी निर्देशों और ब्लैकआउट जैसे प्रतिबंधों के अनुरूप ही यहां काम किया गया।

डाबर के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों की सुरक्षा और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जम्मू कारखाने में रात की पाली में संचालन बंद कर दिया है जबकि दिन के समय सामान्य रूप से काम चल रहा है।

हमने सूर्यास्त के बाद कंपनी को बंद रखने का फैसला किया है। उत्तरी क्षेत्र में एक प्रमुख पेय निर्माता ने कहा कि उसने पंजाब और गुजरात में अपने विनिर्माण संयंत्रों में शिफ्ट परिवर्तन का समय बदल दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शाम 7 बजे के बाद संचालन बंद रखा जा सके और कोई आवाजाही न हो, क्योंकि शाम से ब्लैकआउट की घोषणा हो जाती है।

एडव्यूएल एग्री बिजनेस के अंशु मलिक ने भी कहा, 'हम अपनी फैक्ट्री में केवल 12 घंटे की सुबह की शिफ्ट ही चला रहे हैं। पंजाब के फिरोजपुर में हमारी फैक्ट्री में रात में कोई काम नहीं हो रहा।' उन्होंने कहा, 'चूंकि हम आवश्यक वस्तुओं के कारोबार में हैं, इसलिए हमारी टीम अभी भी अपने काम में हो रहा है, लेकिन संचालन सिर्फ दिन में हो रहा है।'

कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों के लिए गैर-जरूरी यात्रा पर यात्रा परामर्श भी जारी किए हैं। आईटीसी ने कहा कि उसने अपने कर्मचारियों को स्थानीय प्रशासन के

दिशानिर्देशों का पालन करने और प्रभावित क्षेत्रों में गैर-जरूरी यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

इसी प्रकार डेलॉयट ने सभी गैर-जरूरी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्राएं पूरी तरह स्थगित कर दी हैं। यही नहीं, फर्म ने सीमावर्ती राज्यों में असाइनमेंट पर काम कर रहे पेशेवरों को जल्द से जल्द बेस लोकेशन पर लौटने की सलाह दी है। टीमलीज के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर सुब्रुथिनम पी ने कहा, 'सभी संस्थानों ने अपने कर्मचारियों को संघर्ष वाले क्षेत्रों में नहीं जाने के लिए कहते हुए यात्रा परामर्श जारी किए हैं।' कुछ फर्मों ने तेजी से बदलते हालात की निगरानी के लिए टीम गिटिकी की हैं ताकि उसी के अनुसार अपनी अगली रणनीति बनाई जा सके। भारत में वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) स्थापित करने में मदद करने वाली बंगलूरु की एक कंपनी के आंतरिक सूत्रों के अनुसार फर्म में संकट प्रबंधन टीम बनाई गई है। इस टीम में संकट, आईटी, एचआर और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। यह टीम स्थिति की निगरानी और समीक्षा के लिए दिन में दो बार बैठक करती है। डेलॉयट ने भी कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कमांड सेंटर हॉटलाइन स्थापित की है।

पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने को सीमावर्ती क्षेत्रों में बैंक मुस्तैद

हर्ष कुमार

पाकिस्तान के साथ बिगड़े ताल्लुकात और मौजूदा सैन्य संघर्ष के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने सीमावर्ती राज्यों में अपनी शाखाओं पर तैयारी चाक-चौबंद कर ली है। कम से कम चार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एक लघु वित्त बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करने और साइबर हमलों से बचाव के सभी जरूरी उपाय किए गए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के एक अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'शाखाओं में कामकाज को लेकर स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है। एटीएम और शाखाओं में पर्याप्त नकदी रखने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं।'

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुरुवार को बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों को डिजिटल एवं कोर बैंकिंग प्रणाली दुर्घटना रखने के निर्देश दिए थे ताकि लेनदेन में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। उन्होंने बैंकों को यह भी निर्देश दिया था कि बैंकिंग तंत्र को साइबर हमले से बचाने के भी पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। पंजाब एंड सिंध बैंक, केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने क्षेत्रीय प्रमुखों को मंडलीय कार्यालयों में तैनात रहने के लिए कहा है। सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए कुछ बैंकों को सप्ताहांत पर भी परिचालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी अशोक चंद्रा ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'सीमा पर मौजूदा हालात को देखते हुए हमने अपनी साइबर सुरक्षा प्रणाली मजबूत कर ली है। एक आपातकालीन केंद्र की व्यवस्था की गई है और हमारी टीम सभी खुफिया जानकारी पर सक्रियता से काम कर रही है।' चंद्रा ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में शाखाओं को कर्मचारियों की सुरक्षा का ध्यान रखने एवं एटीएम में भरपूर नकदी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के ही एक अन्य बैंक के अधिकारी ने कहा कि साइबर हमलों की आशंका को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है। कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सर्वजित सिंह सामरा ने कहा, 'ग्रामीण एवं इलाकों में हमारी मजबूत उपस्थिति है। इन इलाकों में फिलहाल रबी फसल गेहूं की कटाई चल रही है, जिससे नकदी की उपलब्धता बढ़ गई है। 31 मार्च को हमारे पास जमा रकम 8,323 करोड़ रुपये थी जो 9 मई को बढ़कर 8,790 करोड़ रुपये हो गई। रबी की कटाई और खरीफ फसलों की बोआई का समय होने के कारण यह आंकड़ा बढ़ा है। हमारी सभी शाखाओं पर एटीएम हैं और उनमें नकदी भरपूर रखी जा रही है।' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीओई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार मार्च 2024 तक जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात



नकदी की मांग बढ़ी एटीएम पर भीड़

मनोजित साहा

ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद देश के उत्तरी हिस्से और विशेष रूप से सीमावर्ती इलाके के बैंकों में नकदी की मांग में जबरदस्त तेजी दिख रही है। सुरक्षा कारणों से बैंक शाखाएं बंद होने के कारण ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) से निकासी में भी काफी वृद्धि हुई है।

खास तौर पर केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्यों में पाकिस्तान की ओर से गोलाबारी के मद्देनजर अधिकतर बैंक शाखाएं बंद हैं। सुरक्षा चिंताओं के कारण सीमावर्ती इलाकों में बैंक शाखाएं बंद होने के मद्देनजर एटीएम में पर्याप्त नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बैंकों के कर्मचारी लगातार काम कर रहे हैं।

उत्तरी क्षेत्र के एक वरिष्ठ बैंक अधिकारी ने बताया कि कुछ बैंकों को सीमावर्ती इलाकों से रोजाना 100 से 110 करोड़ रुपये की नकदी की मांग से जूझना पड़ रहा है। अधिकारी ने कहा, 'हमारा पहला लक्ष्य एटीएम में नकदी को पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में अधिकतर शाखाएं सुरक्षा कारणों से बंद करनी पड़ती हैं। हम एटीएम में दिन में एक या दो बार नकदी भरने की कोशिश करते हैं ताकि ग्राहकों को असुविधा न हो।'

और हिमाचल प्रदेश की भारत के बैंकों में कुल जमा रकम (26.21 लाख करोड़ रुपये) में 12.81 प्रतिशत और कुल उधारी (22.13 लाख करोड़ रुपये) में 13.41 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आपूर्ति के पर्याप्त इंतजाम पर एफएमसीजी फर्मों का ध्यान

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ती झड़प और दोनों देशों के खराब होते ताल्लुकात के बीच रोजमर्रा की जरूरतों का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) ने अपने उत्पादन संयंत्रों में काम के समय में बदलाव किए हैं। इन कंपनियों ने वितरकों को पर्याप्त भंडारका इंतजाम

भी करने के लिए भी कह दिया है। वे अपने कर्मियों को सरकार के निर्देशों का पालन करने की भी हिदायत दे रही हैं।

कुछ कंपनियों ने पाकिस्तान की सीमा से सटे राज्यों जम्मू कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के

लिए आपूर्तिकर्ताओं को अधिक सामान उपलब्ध करा रही हैं और उनसे तत्काल पेसे भी नहीं मांग रही हैं। एडव्यूएल एग्री के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी अंशु मलिक ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'फिरोजपुर में हमारी बासमती चावल प्रसंस्करण इकाई है जिसका

खाल रखने को हमने पूरी कोशिश की है। हमारे कर्मचारी बगल में ही कर्मचारी आवास केंद्र में रहते हैं। पैकिंग थोड़ी धीमी गति से जरूर हो रही है मगर हमारे पास बासमती चावल के भंडार की कमी नहीं है। कंपनी के देश के तीन राज्यों में 15 गोदाम हैं और अब तक उसे कोई दिक्कत नहीं आई है। बीएस

मॉल में ग्राहक और सिनेमाघरों में दर्शक घटे

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव का असर सिनेमाघरों और मॉल उद्योग पर भी देखने को मिला है। इस दौरान नई फिल्में रिलीज नहीं होने और दर्शकों की कम आमद के चलते संचालकों को रात के शो रद्द करने पड़ रहे हैं। उत्तर भारत और खास कर सीमा के करीब वाले शहरों में थिएटर में जाकर फिल्म देखने जाने वालों की संख्या कम हो रही है। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में शॉपिंग सेंटरों और मॉल में भी ग्राहकों की संख्या प्रभावित हुई है। इससे कई मॉल पहले की अपेक्षा कम समय के लिए खुल रहे हैं।

इन हालात से वाकिफ लोगों ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि चंडीगढ़, भुज, अमृतसर, श्रीनगर और पटानकोट जैसे शहरों में फिल्मों के लिए रात के शो यानी आमतौर पर रात 8 बजे से रात 10 बजे के बीच शुरू होने वाले शो नहीं चल रहे हैं। मिराज इंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक अमित शर्मा ने कहा, 'सीमा के पास गुरदासपुर और पटानकोट जैसे कुछ स्थानों पर हमें मिराज सिनेमाज के रात के शो बंद करने के लिए कहा गया है। वैसे, मुझे नहीं लगता कि राजस्व पर इसका कोई बड़ा असर देखने को मिलेगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हमारे पास अभी चलाने के लिए बहुत सारी फिल्में नहीं हैं। देश के बाकी हिस्सों में ठीक-ठाक शो चल रहे हैं।' फिल्म कारोबार विश्लेषक गिरीश वानखेड़े ने कहा कि सीमा पर तनाव के चलते लोग फिल्में कम देख रहे हैं और ताजा खबरें पाने की उत्सुकता में टीवी चैनलों से चिपके हुए हैं। मनोरंजन के लिए वे ओटीटी पर जा रहे हैं।

Statement of Audited Financial Results for the Half Year Ended and Year Ended March 31st, 2025 (Rs. In Lakhs)					
S.No.	Particulars	Half Year ended 31.03.2025	Half Year ended 30.09.2024	Year ended 31.03.2025	Year ended 31.03.2024
		Audited	Unaudited	Audited	Audited
(a)	Revenue from operations	12,643.25	927.46	13,570.71	6,516.23
(b)	Other income	31.37	27.58	58.95	45.99
1	Total Income	12674.61	955.05	13629.66	6562.22
2	Profit/(Loss) before tax	2,401.25	(229.48)	2,171.77	461.32
3	Profit/(Loss) After Tax	1,784.22	(172.62)	1,611.61	349.07
4	Total Comprehensive Income for the year	1,782.65	(173.31)	1609.33	347.67
5	Paid-up Equity Share Capital (Face value per share Rs.10/-)	1904.00	1904.00	1904.00	1400.00
6	Other Equity (excluding Revaluation Reserve)	-	-	4522.11	940.31
7	Earnings per equity share: Basic and Diluted(annualised)	10.26	(0.99)	9.27	2.49

Notes:

- During the year, the company has completed the Initial Public Offer (IPO), pursuant to which 50,40,000 equity shares face value of Rs. 10 each at premium of Rs. 48 per share were allotted. The company got listed on NSE Emerge platform w.e.f. 01.08.2024.
- The above is an extract of the detailed format of Half Year and Year ended 31st March 2025 results filed with the Stock Exchanges under regulation 33 of the SEBI(Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations 2015. The full format of the Half Year and Year ended 31st March 2025 results are available on the website of the Stock Exchange viz. www.nseindia.com and also available on the website of the company viz https://www.aelhealth.com/financial-result.php
- The above results have been reviewed by the audit committee at the meeting held on 08th May 2025 and the approved by the Board of Directors at their meeting held on 08th May 2025

Date: 08.05.2025
Place: Ahmedabad

For Aprameya Engineering Limited
Saurabh Kishor Bhatt, Chairman
DIN : 03071549

Office: 908, 9th Floor, Venus Atlantis Corporate Park, Anandnagar, Prahladnagar, Ahmedabad, Gujarat- 380015 India.
Tel No: +91-079-40068827; E-mail: cs@aelhealth.com; Website: www.aelhealth.com CIN: L511909GJ2021PLC128294

Statement of Consolidated audited Financial Results for the Quarter and Year ended March 31, 2025

(₹ in Millions, except per share data)

Particulars	Quarter Ended		Year Ended	
	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)
Total Income from Operations	5,380	4,581	20,058	16,540
Net Profit/(Loss) for the period before tax	1,321	1,015	4,886	3,578
Net Profit/(Loss) for the period after tax	946	762	3,586	2,695
Total Comprehensive income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	917	773	3,604	2,724
Equity Share Capital	318	318	318	318
Other Equity			11,846	9,280
Earnings per share of ₹1/- each (not annualised)				
(a) Basic (in ₹)	2.99	2.39	11.28	8.47
(b) Diluted (in ₹)	2.99	2.39	11.28	8.47

Notes :

1. Summarised Standalone audited Financial Performance of the Company is as under:

Particulars	Quarter Ended		Year Ended	
	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)
Total Income from Operations	4,904	3,822	17,952	13,786
Profit before exceptional items and tax	1,298	799	4,581	2,837
Profit/(Loss) before tax [Refer note 3]	1,298	799	4,941	2,837
Profit/(Loss) after tax	937	584	3,744	2,090
Total Comprehensive Income	894	601	3,715	2,120

2. The above is an extract of the detailed format of audited financial results for the quarter and year ended March 31, 2025 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the financial results for the quarter and year ended March 31, 2025 are available on the Stock Exchange's websites (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and on the Company's website (www.triveniturbines.com).

3. During the quarter ended December 31, 2024, pursuant to the Hon'ble National Company Law Tribunal order on the reduction of share capital of Triveni Energy Solutions Limited, a Wholly Owned Subsidiary of the Company, ₹360 million of gain on account of such capital reduction has been presented as an exceptional item in the standalone audited financial results for the year ended March 31, 2025. There is no impact in standalone and consolidated audited financial results for quarter ended March 31, 2025.

4. The Board of Directors has recommended payment of final dividend @200% (₹2.00 per equity share of ₹1 each) for the financial year 2024-25, in addition to the interim dividend of 200% (₹2 per equity share of ₹1 each) paid during the current quarter. Final dividend is subject to approval of shareholders.

For TRIVENI TURBINE LIMITED
Sd/-
Dhruv M. Sawhney
Chairman & Managing Director

Place: Noida (U.P.)
Date: May 10, 2025

Regd. Office: A-44, Hosiery Complex, Phase II Extension, Noida, U.P. - 201 305
Corp. Office: 8th Floor, Express Trade Towers, 15-16, Sector-16A, Noida, U.P. - 201 301
Website : www.triveniturbines.com, CIN : L29110UP1995PLC041834



'NIM will be under pressure in first two quarters of FY26'

Following Canara Bank's earnings in the fourth quarter of 2024-25 (Q4FY25), **K SATYANARAYANA RAJU**, MD & CEO of the bank, in an interview with Anupreksha Jain in Mumbai talks about the bank's performance during the period and outlined the strategic approach being adopted across various segments in the current financial year (FY26). Edited excerpts:

How do you see your margin trajectory evolving going forward, especially considering the dip observed in Q4?

Earlier, penal interest was counted under interest income, but due to changes in accounting systems, now it is part of other income, thereby reducing the net interest income (NII). Secondly, the cost of deposits peaked till March, but there was no scope for increasing the rate of interest on the advance side, denting the income. Thirdly, the regulator started reducing rates, hence there was added pressure on net interest margin (NIM). Rate cut benefit has already been transmitted to external benchmark lending rate (EBLR) linked portfolios, but it will be difficult to reduce the rate of interest on deposits as the competition to mobilise deposits is still there. NIMs will remain under pressure for the first two quarters. Afterwards, some improvement is expected.



the recovery target is concerned, we aim that our recoveries should be more than slippages. Additionally, in Q4, we transferred three accounts as per consortium decisions.

You have maintained your credit growth target. What is your outlook on the corporate segment in FY26?

Corporate credit growth was around 10 per cent in FY25 and this year also we will maintain the same run rate as it is crucial to expand the top line. In April and May, we already sanctioned around ₹28,000 crore. Another ₹25,000 crore to ₹26,000 crore is in the pipeline for disbursement. Overall, more than ₹50,000 crore is in the pipeline. As far as

Q&A

K SATYANARAYANA RAJU
MD & CEO,
Canara Bank

How will the revised liquidity coverage ratio (LCR) norms help the bank?

We are already at a comfortable level of LCR around 139-140 per cent. Going forward, we will be matching the run off factor of 2.5 per cent on mobile-based deposits. Further, we are looking for some benefit from reducing the lower run off rate on

non-fund based entities such as trusts as we got a significant amount of deposits from non-government organisations.

What are your views on the drop in loans to the agriculture and MSME segments in Q4?

We have stopped giving gold loans for agriculture in certain areas, including some metropolitan cities in line with corrective steps taken by the regulator. Now, we are giving gold loans purely for consumption which has boosted our retail loan portfolio. That's why the retail growth is around 43 per cent. So it is just shifting from agriculture to retail. For MSME also, the regulator has come with a new guidance to regulate MSMEs, and that they must have Udyam portal registration number for existing customers. In non-performing asset (NPA) accounts, generally you don't get the support from the customer, therefore, we have to reclassify them into non-MSME accounts, showing muted growth.

RBI has expanded colending arrangements to all regulated entities. How do you see this playing out?

In colending, we never compromise our underwriting standards to facilitate arrangements or bring them down to the level of NBFCs. We continue to engage in colending partnerships as long as they align with our existing credit underwriting norms. However, there is a general expectation that we dilute our standards to meet NBFC requirements, which we are not willing to do. As for the non-priority sector, we will explore opportunities selectively, though we may not be active in the personal loans segment.

AMEX, HSBC LED FOREIGN BANKS IN NET CREDIT CARD ADDITIONS IN FY25

HSBC and American Express (AmEx) were the top two foreign banks in net credit card additions for 2024-25 (FY25), with the former adding 216,997 cards and AmEx seeing 107,086 new card additions during the period, Reserve Bank of India (RBI) data shows.



During FY25, the banking industry added over 8 million credit cards.

Standard Chartered Bank's credit cards at the end of FY25 declined by 158,322.

In FY24, American Express's net credit card additions stood at 11,450 while HSBC's credit cards declined by 38,693.

In previous years, American Express saw a decline in its total credit cards.

IN NUMBERS

Net credit card additions by foreign banks (units)

	FY24	FY25
American Express	11,450	107,086
DBS Bank	310,997	-63,912
HSBC	-38,693	216,997
SBM Bank	-132,745	-218,990
Standard Chartered	-39,089	-158,322
Others	16,499,498	8,081,950

Source: RBI

BS REPORTER

DCM Shriram arm buys 53% in DNV Global

DCM Shriram group firm Fenesta, which is into uPVC and aluminium windows and doors, has acquired 53 per cent equity stake in DNV Global for ₹44 crore to expand its business.

The deal is expected to be completed in next 2 months.

The acquisition of DNV Global will help Fenesta in backward integration and opportunity to create new line of business (hardware).

"This strategic investment marks a significant step in Fenesta's vision to enhance customer experience, deepen vertical integration, enhance product reliability, achieve accelerated growth in scale and unlock operational synergies across its supply chain," DCM Shriram said in a statement on Sunday.

PTI

'RBI, CCI nod for merger should take 4-5 months'

FROM PAGE 1

When do you expect the Reserve Bank of India's (RBI's) approval?

There are two things: Approval from the RBI and Competition Commission of India. Normally it takes four to five months.

be any concern or uncertainty. Second, there was concern about how SBI's stake would be taken over. That worry is gone. We believe this will help us in our rating upgrade too.

Q&A

PRASHANT KUMAR
MD & CEO,
Yes Bank

After the transaction is through, do you have a fundraising plan?

Immediately there is none. Our core equity is 13.5 per cent, which is sufficient for the growth of the bank. But you always need capital. With the backing of such a group, there will not

Why are SBI and other banks not selling their entire stake?

They together have 33 per cent. And the buyer was taking just 20 per cent. The buyer wanted to be just a public shareholder, not a promoter. If it crosses 25 per cent there are other obligations. As for SBI and other banks, it is only logical that when they sell, they do it together and in the same proportion.



PNB intends to earn profit from every activity: MD

Leaving legacy issues behind, Punjab National Bank (PNB) has embarked on a new growth path with a distinct focus on operating profit to outdo competition in the current financial year and subsequent years, its managing director Ashok Chandra has said.

Reduction in NPAs, low-cost deposit mobilisation, rising avenues for fee income enhancement and recovery from bad loans are other priority areas of the bank, which have been showing improvement in various parameters, including net profit.



The bank has reported a 14 per cent rise in total business at ₹26.83 trillion in FY25, one of the highest in the system.

The bank has set an ambitious target to bring them further during the current financial year, he said.

As part of the growth plan,

he said: "We are going to put focus on the operating profit side. This is a direction which we have given to the entire field team and the corporate team. Also, whatever business we do, we should do it with the clear intention of earning profit out of every activity."

PTI

Statement of Consolidated audited Financial Results for the Quarter and Year ended March 31, 2025
(₹ in Millions, except per share data)

Particulars	Quarter Ended		Year Ended	
	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)
Total Income from Operations	5,380	4,581	20,058	16,540
Net Profit/(Loss) for the period before tax	1,321	1,015	4,886	3,578
Net Profit/(Loss) for the period after tax	946	762	3,586	2,695
Total Comprehensive income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	917	773	3,604	2,724
Equity Share Capital	318	318	318	318
Other Equity			11,846	9,280
Earnings per share of ₹1/- each (not annualised)				
(a) Basic (in ₹)	2.99	2.39	11.28	8.47
(b) Diluted (in ₹)	2.99	2.39	11.28	8.47

Notes :

- Summarised Standalone audited Financial Performance of the Company is as under:


Particulars	Quarter Ended		Year Ended	
	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)
Total Income from Operations	4,904	3,822	17,952	13,786
Profit before exceptional items and tax	1,298	799	4,581	2,837
Profit/(Loss) before tax [Refer note 3]	1,298	799	4,941	2,837
Profit/(Loss) after tax	937	584	3,744	2,090
Total Comprehensive Income	894	601	3,715	2,120
- The above is an extract of the detailed format of audited financial results for the quarter and year ended March 31, 2025 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the financial results for the quarter and year ended March 31, 2025 are available on the Stock Exchange's websites (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and on the Company's website (www.triveniturbines.com).
- During the quarter ended December 31, 2024, pursuant to the Hon'ble National Company Law Tribunal order on the reduction of share capital of Triveni Energy Solutions Limited, a Wholly Owned Subsidiary of the Company, ₹360 million of gain on account of such capital reduction has been presented as an exceptional item in the standalone audited financial results for the year ended March 31, 2025. There is no impact in standalone and consolidated audited financial results for quarter ended March 31, 2025.
- The Board of Directors has recommended payment of final dividend @200% (₹2.00 per equity share of ₹1 each) for the financial year 2024-25, in addition to the the interim dividend of 200% (₹2 per equity share of ₹1 each) paid during the current quarter. Final dividend is subject to approval of shareholders.

Place: Noida (U.P.)
Date: May 10, 2025

For TRIVENI TURBINE LIMITED
Sd/-
Dhruv M. Sawhney
Chairman & Managing Director

For Tata Capital Housing Finance Limited
Sd/-
Sarosh Amaria
Managing Director
(DIN No. : 08733676)

Regd. Office: A-44, Hosiery Complex, Phase II Extension, Noida, U.P. - 201 305
Corp. Office: 8th Floor, Express Trade Towers, 15-16, Sector-16A, Noida, U.P. - 201 301
Website : www.triveniturbines.com, CIN : L29110UP1995PLC041834



TATA CAPITAL HOUSING FINANCE LIMITED

Registered Office : 11th Floor, Tower A, Peninsula Business Park, Ganpatrao Kadam Marg, Lower Parel, Mumbai - 400013
Corporate Identity Number: U67190MH2008PLC187552
Website: www.tatacapital.com Email: tchfsecretarial@tatacapital.com Tel: 022-6606 9000

Extract of Financial Results for the quarter ended March 31, 2025 (Rs. in crore)

Particulars	Quarter ended		Year ended	
	March 31, 2025 (Audited)	March 31, 2024 (Audited)	March 31, 2025 (Audited)	March 31, 2024 (Audited)
1 Total Income from Operations	1,931.87	1,486.35	6,975.36	5,189.20
2 Net profit/(loss) for the period (before tax, exceptional items)	529.24	416.85	2,012.74	1,539.13
3 Net profit/(loss) for the period before tax (after exceptional items)	529.24	416.85	2,012.74	1,539.13
4 Net profit/(loss) for the period after tax (after exceptional items)	393.94	310.67	1,498.93	1,147.67
5 Total Comprehensive income for the period [comprising profit/(loss) for the period (after tax) and other comprehensive income (after tax)]	378.67	310.54	1,483.71	1,141.57
6 Paid-up share capital : - Equity Shares (Face value : Rs. 10 per share)	608.82	596.15	608.82	596.15
7 Reserves, excluding revaluation reserves	8,193.17	6,114.85	8,193.17	6,114.85
8 Securities Premium Account	3,595.33	3,008.07	3,595.33	3,008.07
9 Net worth	8,560.35	6,507.78	8,560.35	6,507.78
10 Paid up Debt Capital / Outstanding Debt	61,104.60	47,294.80	61,104.60	47,294.80
11 Outstanding Redeemable Preference Shares	-	-	-	-
12 Debt Equity Ratio	7.14	7.27	7.14	7.27
13 Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) - Basic * - Diluted *	6.60 6.60	5.37 5.37	25.13 25.13	20.04 20.04
14 Capital Redemption Reserve	-	-	-	-
15 Debenture Redemption Reserve	-	-	-	-
16 Debt Service Coverage Ratio	NA	NA	NA	NA
17 Interest Service Coverage Ratio	NA	NA	NA	NA

* (Not annualised for quarter ended March 31, 2025 and March 31, 2024)

Notes :-

- The above is an extract of the detailed format of quarterly / annual financial results filed with the Stock Exchanges under Regulation 52 of the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly / annual financial results are available on the website of the BSE Limited (www.bseindia.com), the National Stock Exchange of India Limited (www.nseindia.com) and the website of the Company (https://www.tatacapital.com/tchf/investor-relations/financial-results.html).
- For the other line items referred in Regulation 52(4) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the pertinent disclosures have been made to the Stock Exchanges and can be accessed on the website of the BSE Limited (www.bseindia.com), the National Stock Exchange of India Limited (www.nseindia.com) and the website of the Company (https://www.tatacapital.com/tchf/investor-relations/financial-results.html).

Place: Mumbai
Date: 09 May 2025

For Tata Capital Housing Finance Limited
Sd/-
Sarosh Amaria
Managing Director
(DIN No. : 08733676)

QUICKLY.

SECI chairman removed a month ahead of term end



New Delhi: India has removed the Chairman of the Solar Energy Corp of India (SECI) with immediate effect, the Ministry of Personnel said in a notice on Saturday, just over a month ahead of the scheduled end of his tenure. The government did not provide a reason for dismissal.

Fenesta buys 53% stake in DNV Global for ₹44cr

New Delhi: DCM Shriram group firm Fenesta, which is into uPVC and aluminium windows and doors, has acquired 53 per cent equity stake in DNV Global for ₹44 crore to be completed in next two months. The acquisition will help Fenesta in backward integration and opportunity to create new line of business (hardware).

'Bilateral trade pacts have to be mutually beneficial'

PROFITABLE DEAL. Labour-intensive sectors, such as apparels, could benefit from zero-tariffs in the India-US BTA: CII President

bl.interview

Amiti Sen
New Delhi

Bilateral trade agreements (BTA) have to be mutually beneficial and can't be one way, said Sanjiv Puri, CII President and CMD ITC Ltd, in the context of the India-US trade pact being negotiated. Puri spoke on a range of crucial issues including Indian industry's resilience at the time of India-Pakistan tensions, the advantages of the India-UK FTA and wavering capital expenditure by the private sector. *Edited Excerpts:*

Will the India-Pakistan military tensions following the Pahalgam terror attack affect the Indian industry and economy?
For sustainable economic growth and good quality of life of people, security is of paramount importance. The terror attack in Pahalgam was a terrible thing to happen. We stand in complete

Factor reforms, including land and labour, are the pieces that will enhance competitiveness. The idea to set up the national mission on manufacturing is also commendable...

SANJIV PURI
CII President and CMD ITC Ltd



solidarity with the government which is acting as a very responsible nation.

The industry remains committed to doing whatever is required at this time.

The Indian economy is resilient. What has happened till now is not likely to materially impact the economy. How things will unfold in the future is not known.

But our fundamentals are strong. Whatever disturbances, if anything more happens, the industry is committed to addressing it and

ensuring the economy remains resilient.

What are the industry's expectations and concerns around India's negotiations with the US on a bilateral trade agreement?

It's going to be the largest and most important FTA for India. A trade pact has to be mutually beneficial. It can't be one way. It has to be constructed taking advantage of complementarities and synergies.

While India is a large and

consuming market with enough opportunity for both players, there would be some sectors where things can become more competitive. The focus has to be on domestic drivers of competitiveness. The government has announced a high level committee on regulatory reforms creating a bold blueprint. A lot of reforms are also at the State level.

Factor reforms, including land and labour, are the pieces that will enhance competitiveness. The idea to set up the national mission on manufacturing is also commendable as it takes an integrated view of manufacturing. A lot of steps have been taken in the past.

There are concerns around rules of origin, which should be simple, transparent and digitised. Important enablers are also dealing with non-tariff barriers and mutual recognition agreements. One side effect of the BTA could be greater dumping of products from some countries with excess capacity, which is a concern.

Are there some sectors

where the Indian industry is prepared for zero-for-zero tariffs in BTA with the US?

There will be several labour-intensive sectors, such as apparel, which are important for India in terms of zero tariffs as it would create a number of jobs. There are many sectors where India can aggressively play because of the transformation that the economy saw on account of a lot of policy interventions over time and the investments industry has made in technology and competitiveness.

What are the prospects of the India-UK FTA just announced?

We welcome the India-UK FTA which is very comprehensive and impacts all sectors of the economy. It opens up opportunities to enhance bilateral trade. This agreement is like a template for the future, and gives a bold message to the world that India is ready to sign FTAs and integrate in the global value chain. It will also provide impetus to creating resilient supply chains or alternative supply

chains in the world. India becomes a preferred country because it has scale, economies of production and STEM talent. And besides that India is a large growing consumer market.

India is a services power house and the totalisation agreement enhances competitiveness. As access is also provided to agriculture, it's a good positive for food processing and agro sector.

What are your expectations from private sector capital expenditure which are seen as lagging?

The CMIE database on projection announcements is a positive. If you look at the forward capex survey that the government did, that is also showing an uptick. Subsequent to that, there are global developments, that create uncertainty which is not good for business. So there may be some pause, some wait and watch approach, some pushing back of investments could happen. But goods things are also happening.

NCLT allows insolvency against GVK Energy

Our Bureau
Mumbai

National Company Law Tribunal's Hyderabad bench has permitted insolvency proceedings to be initiated against GVK Energy, following a petition filed by lender IDBI Bank. GVK Energy, a subsidiary of GVK Power & Infrastructure, was corporate guarantor for debt incurred by GVK Power for a thermal power project in the Punjab.

As part of a consortium, IDBI had extended term loan of around ₹734 crore and working capital of ₹154 crore to GVK Power, which defaulted in repaying the loan and in 2018 the account was declared a non-performing asset.

In its ruling the NCLT said that the default exceeded the minimum threshold of ₹1 crore and that the Insolvency and Bankruptcy Code provided for the initiation of bankruptcy proceedings against a corporate guarantor.

The court dismissed the company's claims that with GVK Power's resolution plan going through the debt had been extinguished.

Stress in MFI sector dents Q4 earnings of private banks

Piyush Shukla
Mumbai

Private sector lenders, especially those with more exposure to micro loan segments, saw a dent in their profitability in Q4FY25 due to higher delinquencies and subsequent provisions, bankers say. Private sector major Kotak Mahindra Bank (KMB) reported 14 per cent year-on-year (y-o-y) fall in net profit for the quarter ended March at ₹3,552 crore, largely due to higher provisions made for micro loans. The bank's provisions and contingencies rose over 3x on-year to ₹909 crore in Q4FY25, denting the bottomline.

Ashok Vaswani, MD & CEO, KMB, said the microfinance industry went through over leveraging issue, due to which the lender reduced its exposure to such loans. "The cost of the microfinance industry crisis has had a pretty profound impact on our results for FY25," he said.

'PROFOUND IMPACT'

Mid-sized lender RBL Bank reported 80 per cent year-on-year (y-o-y) fall in net profit for the quarter ended March at ₹69 crore, as provisions spiked due to higher bad loans.

Fresh slippages stood at ₹1,058 crore during the quarter, sharply higher than ₹680 crore in Q4FY24. Of the total slippages in reporting quarter, ₹444 crore emanated from credit cards portfolio, while ₹439 crore of bad loans were from micro loan segment. As bad loans

Fresh slippages were at ₹1,058 cr during the quarter, sharply higher than ₹680 crore in Q4FY24

rose, provisions spiked to ₹785 crore in Q4FY25 from ₹414 crore in corresponding period last year. The bank's management said the lender has 100 per cent provision on its micro loan segment bad debt.

IDFC First Bank, too, saw its Q4 net profit falling due to micro loan stress and subsequent provisions. "Our sense is that Q4FY25 was the lowest in terms of profitability. The impact of the MFI issue will wear off progressively in FY26 we feel every quarter.

"In the micro loan book, SMA-0 (special-mention account) book is down materially from ₹275 crore to ₹152 crore. Well need to be careful though about legislations," IDFC First Bank MD, CEO V Vaidyanathan told *businessline* in a recent interaction.

KARNATAKA BILL

The Karnataka government passed a Bill on microfinance loans in February which targeted unregistered money lenders who used coercive loan recovery practices.

While the Bill was largely seen in the interest of customers, it vitiated the credit culture in the State and lenders saw collection efficiency being hit, bankers say.

Bankers and analysts expect MFI stress to normalise from H2FY26 onwards.

Info Edge clocks 36% return on investments

Press Trust of India
New Delhi

Naukri.com parent Info Edge's long-term bet on Indian start-ups ranging from Zomato to Policybazaar are yielding blockbuster returns of nearly 10 times and an estimated gross internal rate of return of 36 per cent, according to the firm's FY25 annual letter to shareholders.

The firm, helmed by Sanjeev Bikhchandani — often referred to as India's Warren Buffett — invested a total capital of ₹3,959.16 crore across platforms over the last one and half decade. This investment today stands at a Fair Market Value of ₹36,855 crore.

"Since we started our financial investing activity in 2007, we have achieved an estimated 36 per cent gross IRR across all vintages put together," Founder and Vice chairman, Sanjeev Bikhchandani wrote in the letter.

Info Edge was one of the early backers in companies, including Zomato and Policybazaar, investing a total of ₹483.78 crore and ₹591.40 crore respectively. The value of its shareholding in both the companies is collectively more than ₹31,500 crore.

Zomato and Policybazaar's combined market capitalisation stands at more than ₹2.5 lakh crore.

After these, Info Edge invested in start-ups, including men's grooming brand Ustra, B2B e-commerce platform Shopkiran, edtech platform Adda247, omni channel inter-city bus travel platform Zingbus, travel tech platform ixigo, etc. To date, it has backed 111 companies.

Peak demand lifts coal imports to 11-month high in April

Rishi Ranjan Kala
New Delhi

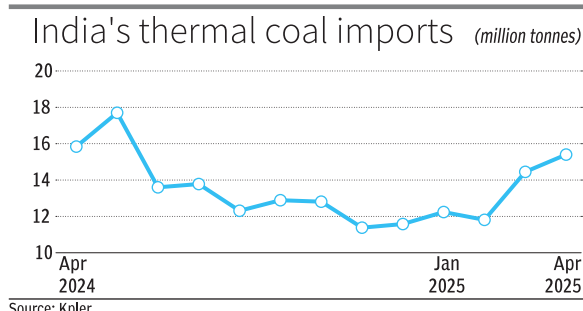
India's thermal coal imports rose to an 11-month high in April as the power sector stocked up supplies for the blistering summer season with peak electricity demand (day) likely to hit 270 gigawatts (GW) this month.

According to global real-time data and analytics provider Kpler, India's purchases of foreign thermal coal, usually procured by the power sector, rose by 6.6 per cent m-o-m to 15.40 million tonnes (mt) last month, provisionally. However, it fell by around 2.8 per cent on an annual basis.

The higher import requirement also reflects on the government's direction to imported coal based (ICB) power plants to run capacities at optimum levels till June 30.

SUMMER RUSH

On cumulative imports during April, Alexis Ellender, Senior Lead Dry Bulks Insight at Kpler, told *businessline*: "We are in the peak season for Indian thermal coal consumption as hot weather drives demand. Meanwhile, the country's steel producers continue to perform strongly. These are supporting coal imports, which hit the highest level since May 2024 at 22.19 mt



last month." Indian thermal coal imports climbed to an eleven-month high of 15.40 mt in April, although still 0.44 mt lower on an annual basis. The annual decline results from growth in do-

mestic coal production, up by 4 per cent y-o-y in April, and a slight yearly decrease in coal-fired generation, he explained.

"May thermal coal imports are forecast to stay

firm at 15-16 mt but, despite a government mandate to boost coal-fired generation, are expected to be below May 2024's 17.70 mt. This is due to a combination of higher domestic production and near-record coal stockpiles," Ellender added.

Indian Energy Exchange (IEX), in its April 2025 commentary, also points to better availability of the dry fuel.

"Looking ahead to FY26, peak power demand is expected to exceed 270 GW. In response to this rising demand, the government has implemented necessary measures, including the

mandatory operation of ICB plants, gas-based plants, and better availability of coal. These measures will also enhance sell liquidity on the power exchanges," it said.

India's energy consumption rose 2.2 per cent y-o-y to 147.5 billion units (BU), with April 25th recording a peak demand of 235 GW (April 2024: 224 GW).

Despite higher power demand, average market clearing price in the Day Ahead Market in April remained competitive at ₹5.20 per unit, similar to last year, due to increased supply, IEX added.



Statement of Consolidated audited Financial Results for the Quarter and Year ended March 31, 2025

(₹ in Millions, except per share data)

Particulars	Quarter Ended		Year Ended	
	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)
Total Income from Operations	5,380	4,581	20,058	16,540
Net Profit/(Loss) for the period before tax	1,321	1,015	4,886	3,578
Net Profit/(Loss) for the period after tax	946	762	3,586	2,695
Total Comprehensive income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	917	773	3,604	2,724
Equity Share Capital	318	318	318	318
Other Equity			11,846	9,280
Earnings per share of ₹1/- each (not annualised)				
(a) Basic (in ₹)	2.99	2.39	11.28	8.47
(b) Diluted (in ₹)	2.99	2.39	11.28	8.47

Notes :

1. Summarised Standalone audited Financial Performance of the Company is as under:

Particulars	Quarter Ended		Year Ended	
	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)	31-Mar-2025 (Audited)	31-Mar-2024 (Audited)
Total Income from Operations	4,904	3,822	17,952	13,786
Profit before exceptional items and tax	1,298	799	4,581	2,837
Profit/(Loss) before tax [Refer note 3]	1,298	799	4,941	2,837
Profit/(Loss) after tax	937	584	3,744	2,090
Total Comprehensive Income	894	601	3,715	2,120

2. The above is an extract of the detailed format of audited financial results for the quarter and year ended March 31, 2025 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the financial results for the quarter and year ended March 31, 2025 are available on the Stock Exchange's websites (www.bseindia.com and www.nseindia.com) and on the Company's website (www.triveniturbines.com).

3. During the quarter ended December 31, 2024, pursuant to the Hon'ble National Company Law Tribunal order on the reduction of share capital of Triveni Energy Solutions Limited, a Wholly Owned Subsidiary of the Company, ₹360 million of gain on account of such capital reduction has been presented as an exceptional item in the standalone audited financial results for the year ended March 31, 2025. There is no impact in standalone and consolidated audited financial results for quarter ended March 31, 2025.

4. The Board of Directors has recommended payment of final dividend @200% (₹2.00 per equity share of ₹1 each) for the financial year 2024-25, in addition to the the interim dividend of 200% (₹2 per equity share of ₹1 each) paid during the current quarter. Final dividend is subject to approval of shareholders.

For TRIVENI TURBINE LIMITED
Sd/-
Dhruv M. Sawhney
Chairman & Managing Director

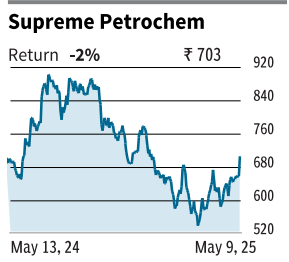
Place: Noida (U.P.)
Date: May 10, 2025

Regd. Office: A-44, Hosiery Complex, Phase II Extension, Noida, U.P. - 201 305
Corp. Office: 8th Floor, Express Trade Towers, 15-16, Sector-16A, Noida, U.P. - 201 301
Website : www.triveniturbines.com, CIN : L29110UP1995PLC041834

TODAY'S PICK.

Supreme Petrochem (₹703.10): BUY

Gurumurthy K
bl. research bureau



The stock seems to be gaining momentum and gearing up for a fresh rally.

The share price surged over 7 per cent on Friday, breaking well above a key resistance level of ₹680. Moving average cross-overs on the daily chart also strengthens the bullish case.

The region around ₹680 will now act as a strong support.

A break above the immediate resistance at ₹721 can take

Supreme Petrochem share price up to ₹800 in the next few weeks. Traders can buy Supreme Petrochem's shares now at ₹703. Accumulate on dips at ₹685. Keep the stop-loss at ₹645 initially. Trail the stop-loss up to ₹720 when the price goes up to ₹735.

Move the stop-loss further up to ₹745 and ₹765 when the share price touches ₹760 and ₹775 respectively. Exit the long positions at ₹790.

Note: The recommendations are based on technical analysis. There is risk of loss in trading

businessline.

Disclaimer: Readers are requested to verify & make appropriate enquiries to satisfy themselves about the veracity of an advertisement before responding to any published in this newspaper. THE PUBLISHING PVT LTD., the Publisher & Owner of this newspaper, does not vouch for the authenticity of any advertisement or advertiser or for any of the advertiser's products and/or services, in no event can the Owner, Publisher, Printer, Editor, Director/s, Employees of this newspaper/company be held responsible/liability in any manner whatsoever for any claims and/or damages for advertisements in this newspaper.

THIRUVANANTHAPURAM REGIONAL COOPERATIVE MILK PRODUCERS' UNION LTD.
Head Office: "Keheera Bhavan", Pattom, Thiruvananthapuram - 695 004.
Phone: +91471-2447109, email: trcumpu@gmail.com
No.174/TRU/P&I/TMR/2025-26 Date: 12.05.2025

E-TENDER NOTICE
E-tenders are invited for the following item at TRCMPU:

E-Tender ID	Description	Approx. Tender Value
2025_KCMMF_763912_1	SUPPLY OF TOTAL MIXED RATION	Rs.325 Lakhs

Specifications and details of the e-tender are available in the Government e-procurement portal (www.etenders.kerala.gov.in) and TRCMPU website (www.milmatrcmpu.com). Last date for submission of e-tender is on 21.05.2025, 01:00 PM.
Sd/-, Managing Director

IIPM
भारतीय बागान प्रबन्ध संस्थान बेंगलुरु
INDIAN INSTITUTE OF PLANTATION MANAGEMENT BENGALURU
(An Autonomous Organization of the Ministry of Commerce & Industry, GOI)

RECRUITMENT NOTIFICATION

- Applications are invited from academicians and industry professionals for the following **Faculty positions** on regular (or) contractual basis:
 - Professor in the area of General Management & Strategy
 - Assistant Professor in the area of Food Technology & Management
- Applications are also invited for the following **Non-Teaching positions** on regular (or) contractual basis:
 - Administrative Officer
 - Placement Officer
 - Executive – Corporate Relations & Placements
 - Office Associates
 - Academic Associate for IIPM Centre Vijayawada (Andhra Pradesh)

For details visit : www.iipm.edu.in
Last Date : 2nd June 2025
Date: 12.05.2025
Notification No.08/2025
DIRECTOR